X

हिंदी

उत्तर-सूचिका

HINDI WORKSHEET

13

तिरुवनंतपुरम शैक्षिक जिला

Thiruvananthapuram Educational District

ठाकुर का कुआँ

कहानी

प्रेमचंद

' ठाकुर का कुआँ 'कहानी पढ़कर गंगी और जोखू की चरित्रगत विशेषताएँ पहचानकर सही खंभों में लिखें।

- सामाजिक पाबंदियों को तोड़ने का मनोभाव रखती है।
- यातनाएँ सहकर भी किसी से शिकायत नहीं करता है।
- सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध मन–ही–मन विद्रोह करती है।
- समाज के उच्च वर्ग से डरता है।

- जाति- प्रथा से घृणा करती है।
- यह समझता है कि उच्च वर्ग के विरुद्ध आवाज़ उठाने से कोई फायदा नहीं।
- पति के स्वास्थ्य पर चिंतित है।
- प्यास से परेशान होने पर भी ठाकुर के कुएँ पर जाने से मना करता है।

Thiruvananthapuram Educational District

गंगी

- सामाजिक पाबंदियों को तोड़ने का मनोभाव रखती है।
- सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध मन–ही–मन विद्रोह करती है।
- जाति- प्रथा से घृणा करती है।
- पति के स्वास्थ्य पर चिंतित है।

जोखू

- यातनाएँ सहकर भी किसी से शिकायत नहीं करता है।
- समाज के उच्च वर्ग से डरता है।
- यह समझता है कि उच्च वर्ग के विरुद्ध आवाज़ उठाने से कोई फायदा नहीं।
- प्यास से परेशान होने पर भी ठाकुर के कुएँ पर जाने से मना करता है।

II

कक्षा 10

' ठाकुर का कुआँ ' कहानी का अंश पढ़कर नीचे दिए गए वाक्यों की सहायता से गंगी की डायरी की पूर्ति करें।

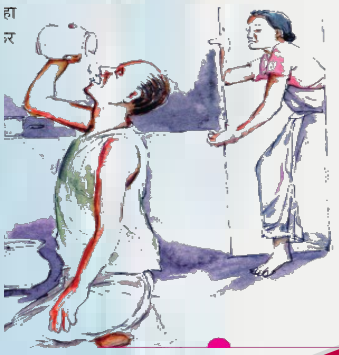

ठाकुर 'कौन है, कौन है?' पुकारते हुए कुएँ की तरफ़ आ रहे थे और गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी।

घर पहुँचकर देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगाए वही मैला-गंदा पानी पी रहा है।

बीमार जोखू तो बहुत प्यासा था।

घड़े को पकड़कर जगत पर रखा ही था कि ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया।

इतनी डर गई थी कि रस्सी हाथ से छूट गई।

पर घर पहुँची तो जोखू वही गंदा पानी पी रहा था।

अपने बीमार पति को मैं शुद्ध पानी तक नहीं पिला सकी।

Thiruvananthapuram Educational District

तारीख

उफ़ ! आज कितना बुरा दिन था ! हम कितने अभागे हैं ? पीने का पानी तक नहीं मिलता। बीमार जोखू तो बहुत प्यासा था। उसकी प्यास बुझाने के लिए मैं ठाकुर के कुएँ पर गई थी। फिर क्या था ? सोच भी न सकती। घड़े को पकड़कर जगत पर रखा ही था कि ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया। मैं क्या करती ? इतनी डर गई थी कि रस्सी हाथ से छूट गई। मैं तो जान लेकर वहाँ से कूदकर भाग निकली वरना क्या होता ? पकड़ी गयी होती तो समझो बस हो गयी बात ! पर घर पहुँची तो जोखू वही गंदा पानी पी रहा था।

अपनी विवशता पर मुझे शर्म आती है। छी ! कैसी व्यवस्था है ? अपने बीमार पति को मैं शुद्ध पानी तक नहीं पिला सकी। कब मिटेगी ये पाबंदियाँ ? ये मजबूरियाँ ?

III

कक्षा 10

अपनी परेशानी के बारे में जोखू मित्र के नाम पत्र लिखता है I वह पत्र कल्पना करके लिखें I

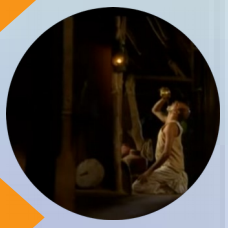

तुम कैसे हो ?

प्यास के मारे गला सूख रहा था I

हस्ताक्षर

नाक बंद करके पीना चाहा तो गंगी ने मना किया।

अंत में मुझे गंदा पानी ही पीना पड़ा।

कभी–कभी लिखा करो यार।

Thiruvanamthapuram Educational District

POSTCARD

स्थान.....

तारीख.....

प्रिय मित्र ,

तुम कैसे हो ?.....ठीक है न ?

एक खास बात बताने के लिए मैं यह खत लिखता हूँ।

कई दिनों से मैं बीमार हूँ।

प्यास के मारे गला सूख रहा था I लोटे में पानी लेकर पीने को मुँह से लगाया तो सख्त बदबू के कारण पी न सका। नाक बंद करके पीना चाहा तो गंगी ने मना किया। मेरे मना करने पर भी गंगी दूसरा पानी लेने केलिए घड़ा लेकर चली गयी। घंटों तक मुझे प्यासा रहना पड़ा।अंत में मुझे गंदा पानी ही पीना पड़ा। उस समय गंगी आई ,हाँफती हुई... दुखी होकर...ठाकुर के कुएँ से चुपके से पानी भरते ही ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया और गंगी वहाँ से किसी तरह बच निकली थी I मैंने उसे सांत्वना दी कि हम गरीब और अछूत है न ?

तुम्हारे परिवारवाले सब सुखी है न ?

सबको मेरा प्रणाम I

कभी–कभी लिखा करो यार।

तुम्हारा मित्र

हस्ताक्षर

जोखू

सेवा में

नाम,

पता

IV

वाक्य-पिरमिड़ की पूर्ति करें

कक्षा 10

जोखू पी रहा है।

जोखू पानी पी रहा है।

जोखू गंदा पानी पी रहा है।

जोखू मैला - गंदा पानी पी रहा है।

घड़ा गिरा।

घड़ा पानी में गिरा।

घड़ा धड़ाम से पानी में गिरा।

रस्सी के साथ घड़ा धड़ाम से पानी में गिरा।

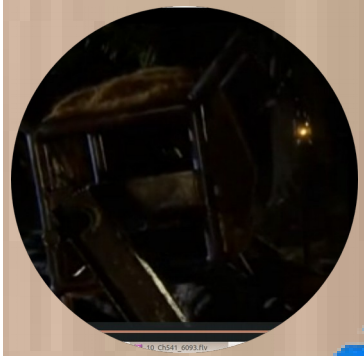

रोशनी आ रही थी।

रोशनी कुएँ पर आ रही थी।

धुँधली रोशनी कुएँ पर आ रही थी।

कुप्पी की धुँधली रोशनी कुएँ पर आ रही थी।

Thiruvananthapuram Educational District